खण्ड-07 सत्र-03 (भाग-03) अंक-30

बुधवार 31 अगस्त, 2022 / 09 भाद्रपद, 1944 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

तीसरा सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07 सत्र-03 (भाग-03) में अंक 27 से अंक 31 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-3 (भाग-3) बुधवार, 31 अगस्त, 2022/09 भाद्रपद, 1944(शक) अंक-30

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	सदन में अव्यवस्था	4-23
3.	माननीय सदस्या श्रीमती आतिशी का वक्तव्य	24-26
4.	विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा	27-38

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-3 (भाग-3) बुधवार, 31 अगस्त, 2022/09 भाद्रपद, 1944(शक) अंक-30

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुआ।

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1 श्री अजेश यादव
2 श्री अखिलेश पति त्रिपाठी
3 श्रीमती ए धनवंति चंदीला ए
4 श्री अजय दत्त
5 श्रीमती आतिशी
6 श्री अब्दुल रहमान
7 सुश्री भावना गौड
8 श्री बी. एस. जून
9 श्री धर्मपाल लाकड़ा
10 श्री दुर्गेश पाठक
11 श्री गिरीश सोनी
12 श्री हाजी युनुस
13 श्री जय भगवान
14 श्री करतार सिंह तंवर
15 श्री कुलदीप कुमार
16 श्री मुकेश अहलावत
17 श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमर
18 श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस

19 श्री प्रकाश जारवाल
20 श्री ऋतुराज गोविंद
21 श्री राजेश गुप्ता
22 श्री राजकुमार आनंद
23 श्रीमती राजकुमारी ढिल्लों
24 श्री राजेश ऋषि
25 श्री रोहित कुमार
26 श्री शरद कुमार चौहान
27 श्री संजीव झा
28 श्री सोम दत्त
29 श्री सोमनाथ भारती
30 श्री एस. के. बग्गा
31 श्री सुरेंद्र कुमार
32 श्री वीरेंद्र सिंह कादियान
33 श्री अभय वर्मा
34 श्री अनिल कुमार बाजपेयी
35 श्री अजय कुमार महावर
36 श्री जरनैल सिंह
37 श्री जितेंद्र महाजन
38 श्री मदन लाल
39 श्री मोहन सिंह बिष्ट
40 श्री नरेश यादव
41 श्री ओमप्रकाश शर्मा
42 श्री पवन शर्मा
43 श्री प्रलाद सिंह साहनी
44 श्री प्रवीण कुमार
45 श्री रघुविंदर शौकीन
46 श्री शोएब इकबाल
47 श्री विजेंद्र गुप्ता
48 श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-3 (भाग-3) बुद्धवार, 31 अगस्त, 2022/09 भाद्रपद, 1944(शक) अंक-30

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुआ।

माननीया अध्यक्ष महोदय (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुई।

माननीया अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण आज गणेश चतुर्थी है। भगवान गणेश जी को सभी संकटों को हरने वाला और सभी बाधाओं को दूर करने वाला देवता माना जाता है। ये शुभ और मंगल कारक देवता हैं। आप सबको इस पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनायें। मैं प्रार्थना करती हूं कि सभी देशवासियों के लिए यह गणेश उत्सव मंगलमय हो और भगवान गणेश देश और समाज की प्रगति के रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करें। उन सभी विघ्नकारी ताकतों को भी सद्बुद्धि प्रदान करें जो दूसरे के अच्छे कार्यों और प्रगति में रूकावट डालते हैं। बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय सदस्यगण सदन में विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हो चुकी है और उससे पहले आतिशी जी कुछ कहना चाहती है।

श्रीमती आतिशी: माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे पर। एक मिनट मैं अपनी बात कर लूं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः वो कुछ और कहना चाह रही हैं।

श्रीमती आतिशीः मैं एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर आपका धयान दिलाना चाह रही हूं। अभी विजेन्द्र जी हम बोल रहे हैं उसके बाद आप बोल लीजिएगा। आप बोल लीजिएगा।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अच्छा बैठिए तो आप। एक मिनट बैठिए। मैं आपका ध्यानाकर्षण।

श्रीमती आतिशीः सदन तो चलने दीजिये।

माननीया अध्यक्षः मैंने आपका धयान। विजेन्द्र गुप्ता जी दो मिनट बैठिए। आपके कहने पर मैंने आपका ध्यानाकर्षण माँग लिया है। एक बार उनको।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः आप एक बार रूलिंग दे दीजिये।

माननीया अध्यक्षः हाँ मैं उस पर रूलिंग। मुझे पढ़ तो लेने दीजिये। पढ़ने का भी समय नहीं देंगे। पढ़ लूं। मैं एक बार इसे पढ़ लूं, तो आप खड़े क्यों हो जाते हैं हर बात पर। बैठ जाइए न।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः आपने उनको खड़ा कर दिया न।

माननीया अध्यक्षः हाँ मैंने क्योंकि उन्होंने।

...व्यवधान....

माननीया अध्यक्षः मैं आपका ध्यानाकर्षण एक बार पढ़ लूं और किस रूल के तहत आपको रूलिंग देनी है या नहीं देनी है इसमें मैं एक बार अपने विवेक से फैसला ले लूं। मैंने क्या बोला। रूल बुक दीजिये। मैंने आपको क्या बोला। मैंने आपको यही बोला है कि मैं एक बार आपका विषय पढ़ लूं। ऐसा लगता है विजेन्द्र गुप्ता जी, गुप्ता जी और शर्मा जी मुझे ऐसा लगता है कि आप अपना विषय सदन के समक्ष रखना ही नहीं चाहते। आते ही आप आर्गूमेन्ट में फंस जाते हैं। अगर मैंने आपको कहा है तो बैठिए तो।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशीः अरे गुप्ता जी, अब तक मैनें अपनी बात पूरी कर दी होती। अरे दो मिनट में बात पूरी हो गयी होती।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप बैठिए। आप इधर से बोलेंगे वो उधर से बोलेंगे।

श्रीमती आतिशीः जानबूझकर समय बर्बाद मत करिये।

माननीया अध्यक्षः फिर आपका विषय नहीं आ पायेगा। पहले आप बैठिए। जब तक आप बैठेंगे नहीं। आप बैठिए। आप दोनों से निवेदन है। विजेन्द्र गुप्ता जी प्लीज बैठ जाइए। मैं एलाउ नहीं कर रही हूं। मैं आपको एलाउ नहीं कर रही हूं पढ़ने के लिए। आप दो मिनट बैठिए। जब तक आप अनुशासन नहीं बनायेंगे तब तक नहीं चलेगा। मैंने कल भी बहुत साफ शब्दों में ये मोहन सिंह बिष्ट जी बैठे हैं इनके समर्थन में बात कहते हुए कहा था कि एक बार माननीय उप-मुख्यमंत्री जी बोल लें। आपके जितने विषय हैं उस पर मैं रूलिंग दूंगी। कल

भी आपने इस बात को नहीं समझा। कल भी शोर-शराबा करा। मजबूरन मुझे बाहर करना पड़ा। मैं आज भी।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आपको बोलने की क्या जरूरत है। बैठिए। हाँ तो रूल बुक का ही। बैठिए ना। आतिशी जी।

श्रीमती आतिशीः माननीय अध्यक्ष महोदया, एक बहुत गम्भीर मुद्दा।

माननीया अध्यक्षः बैठ जाइए। मैं आपको बोलने का मौका दूंगी। मैं आपको बोलने का मौका दूंगी।

श्रीमती आतिशीः अभी क्योंकि हम कांफिडेन्स मोशन पर चर्चा कर रहे हैं।

माननीया अध्यक्षः मैं आपको बोलने का मौका दूंगी।

श्रीमती आतिशीः अभी कांफिडेन्स मोशन पर चर्चा हो रही है।

माननीया अध्यक्षः मैं गुप्ता जी आपसे हाथ जोड़कर विनती कर रही हूं। गुप्ता जी मैं आपसे, अब आप साथियों से भी लड़ लो। अब आप अपने साथियों से भी लड़ लो। आप लड़ने ही आते हो क्या विधान सभा में। सदन को चलाने में सहयोग करें। मैं विपक्ष के सभी साथियों से निवेदन कर रही हूं। मैं विपक्ष के सभी साथियों से निवेदन कर रही हूं सदन को चलाने में सहयोग करें। आतिशी जी।

श्रीमती आतिशीः माननीया अध्यक्ष महोदया।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: मैं निवेदन कर रही हूं। बैठ जाइए। मैं आपको बोलने का मौका दूंगी। मैं आपको बोलने का मौका दूंगी। आपके पूरे विषय पर बोलने का मौका दूंगी। आप एक बार आतिशी जी को बोलने दिजिए। आतिशी जी बोलेंगी।

श्रीमती आतिशी: माननीय अध्यक्ष महोदया।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: मैं कह रही हूं आपको बोलने का मौका दूंगी। मैंने मना नहीं किया।

श्रीमती आतिशी: कांफिडेन्स मोशन पर चर्चा हो रही है।

माननीया अध्यक्ष: आप अपना विषय सदन में रखना ही नहीं चाहते। रखना ही नहीं चाहते। अगर आप अपना विषय सदन में रखना चाहते हैं। मैं दसवीं बार कह रही हूं कि मैं आपको रूलिंग दूंगी, बोलने का मौका दूंगी बशर्ते आप बैठिए। आप बैठिए और इन्हें भी बैठाइए। शांत होकर बैठिए। हाँ जी।

श्रीमती आतिशी: माननीय अध्यक्ष महोदया, अभी कांफिडेन्स मोशन पर इस सदन में चर्चा हो रही है।

माननीया अध्यक्ष: मैं दे दूंगी। एक बार इनको बोल लेने दीजिये न। आप लोगों का लक्ष्य सिर्फ शोर मचाना रह गया है। आप सदन को चलाने में सहयोग करिये। मैं कह रही हूं आप बैठिए विधूड़ी जी। विधूड़ी जी आप सबसे सीनियर,

सबसे अनुशासित और सबसे सम्मानित सदस्य हैं। आप बैठिए। आप बोलिये आतिशी जी। आप बैठ जाइए।

श्रीमती आतिशी: इस सदन में कांफिडेन्स मोशन पर चर्चा हो रही है अध्यक्ष महोदया और ये एक बहुत बड़ा चिन्ता का विषय है कि।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशी: किस तरह देश भर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा विध ायकों को खरीदा और बेचा जा रहा है। जो आपरेशन लोटस पूरे देश भर में भारतीय जनता पार्टी कर रही है माननीय अध्यक्ष महोदया। जिस तरह से विध ायकों को खरीदा और बेचा जा रहा है।

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के अधिकांश सदस्य प्ले कार्ड सहित वेल में आये और नारे लगाये।)

अब सदन की कार्यवाहीको 11.30 बजे तक के लिए स्थगित किया जाता है। साढ़े ग्यारह बजे तक।

(सदन की कार्यवाही 11.30 बजे तक के लिए स्थगित की गई)

सदन पुनः पूर्वाहन् 11.33 बजे पुनः समवेत हुआ।

माननीया अध्यक्ष (श्रीमती राखी बिरला पीठासीन हुई)

माननीया अध्यक्ष: एक बार व्यवस्था सुन लीजिये सारे सदस्य। माननीय सदस्यगण सदन में विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हो चुकी है। जब तक विश्वास

प्रस्ताव का निर्णय नहीं हो जाता तब तक किसी अन्य विषय को सदन में विचार हेतु नहीं लिया जा सकता। माननीय सदस्य चर्चा के दौरान अपने मुद्दों को उठा सकते हैं। मुझे कुछ सदस्यों से विभिन्न विषयों से संबंधित नोटिस प्राप्त हुए हैं। मैं किसी भी सूचना को स्वीकार नहीं कर पा रही हूं। माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे सदन की कार्यवाही के संचालन में मुझे सहयोग दें। धन्यवाद। आतिशी जी।

श्री विजेंद्र गुप्ताः अध्यक्षा जी, ये तीसरा दिन है आज मुझे एक जरूरी विषय पर बात करनी है एक मेरा विषय है। दूसरा आपने कहा कि विश्वास मत पर चर्चा शुरू हो चुकी है। आपने कहा कि नहीं वो स्टेटमेंट देनी है। तो पहले तो ये स्पष्ट किया जाये कि वो विश्वास मत पर बोल रही हैं या फिर वो किस रूल के तहत यहां पर खड़ी होकर बोल रही हैं। ये बता दीजिये एक तो किस रूल के तहत वो बोल रही हैं, दूसरा जो हमारा ये जो लोक महत्व का विषय है, स्कूलों में जो कमरे बनाने में जो भ्रष्टाचार हुआ है उस पर हम सरकार से जवाब चाहते हैं।

माननीया अध्यक्षः आ गया आपका विषय?

श्री विजेंद्र गुप्ताः सीवीसी की रिपोर्ट आ गयी है, सेंट्रल विजिलेंस कमीशन ने 34 पेज की रिपोर्ट में स्पष्ट कर दिया है। ढाई साल से सरकार ने।

माननीया अध्यक्षः आप बोल रहे हैं विषय नहींदे रहे हैं मुझे?

श्री विजेंद्र गुप्ताः रिपोर्ट दबा के रखी हुई है।

माननीया अध्यक्षः आप बोल रहे हैं देखिये विषय नहीं दे रहे हैं।

श्री विजेंद्र गुप्ताः तो हमारा ये कहना है कि रिपोर्ट क्यों दबाई?

माननीया अध्यक्षः आप विषय।

श्री विजेंद्र गुप्ताः और कोई कार्रवाई क्यों नहीं हो रही।

माननीया अध्यक्षः विजेंद्र गुप्ता जी, बैठ जाईये। माहौल क्यों खराब कर रहे हैं। बैठ जाईये दो मिनट। बैठिये रोहित मेहरोलिया जी बैठिये। रोहित मेहरोलिया जी बैठिये, बैठिये। विजेंद्र गुप्ता जी, विजेंद्र गुप्ता जी, विजेंद्र गुप्ता जी, ये विजेंद्र गुप्ता जी को बाहर किया जाये। मान नहीं रहे न आप।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मैंने ये बोला, बैठकर इससे पहले ये देखो। गलत है ये। ओ.पी. शर्मा जी, बहुत गलत है।

(प्रतिपक्ष के सदस्य वैल में आ गये।)

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः तो बैठेंगे तभी तो बोलने देंगे। जब आप बैठेंगे तभी तो बोलने देंगे, आप सदन चलने ही नहीं देते हैं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अपनी सीट पर चलें ओ.पी. शर्मा जी। ओ.पी. शर्मा जी, अभय वर्मा जी अपनी सीट पर चलें आप। आप भी अपनी सीट पर चलें। आप लोग अपनी सीटों पर चलें। आप अपनी सीट पर बैठें। अपनी सीटों पर बैठें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मुझे ऐसा लगता है पूरा का पूरा विपक्ष, पूरा का पूरा विपक्ष ही माहौल बनाकर आता है कि सदन नहीं चलने देगा। ओ.पी. शर्मा जी, बैठिये। आप बैठ जाईये, आपको जो भी बात कहनी है, आप लोगों को जो भी बात कहनी है अपने वक्तव्य में कहियेगा। बोलने देंगे जब आप सीट पर बैठेंगे। अभय वर्मा जी अपनी सीट पर बैठिये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मुझे बिल्कुल मजबूर मत करिये कि मैं आप सब को बाहर करूं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप सब लोग बैठिये। ओपी शर्मा।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अजय महावर जी, अपनी सीट पर चलिये। ओ.पी. शर्मा जी, अजय महावर जी, बैठिये, बहुत हो गया मुझे कड़ी कार्रवाई करने के लिये बिल्कुल मजबूर न करें आप लोग। वैल में मत आईये ओ.पी. शर्मा जी आप सीट पर चलिये। मैं आपको मौका दूंगी मैंने इससे पहले भी बोला था जब आप सीट पर बैठेंगे। आप सीट पर बैठें। आप 10 मिनट अगर सदन में अनुशासन बना कर रखेंगे तो आपको अपनी बात कहने का पूरा मौका दिया जायेगा। आप आते इसी इंटेंशन के साथ हैं। फिर शुरू हो गये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप फिर शुरू हो गये, बैठिये। आप बैठिये अभय वर्मा जी, मुझे बिल्कुल मजबूर मत करिये। मुझे बिल्कुल मजबूर मत करिये मैं आपको पूरे सत्र के लिये भी बाहर कर सकती हूं। बिल्कुल मजबूर मत करें। आप बैठिये। आप बैठिये अपनी सीट पर। आज चौथा दिन है। आप ये प्लान कर कर आते हैं सदन नहीं चलने देंगे

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बैठिये आप इन्हें बंद करिये। अजय महावर जी बहुत गलत तरीका है। ओ.पी. शर्मा जी और विपक्ष के सारे साथियों से मेरी विनती/प्रार्थना है मैंने अभी एक व्यवस्था दी है और उसमें एक लाईन को स्पष्ट तौर पर मैंने कहा है कि जिसको अपना जो विषय रखना हो अपने वक्तव्य में रख सकते हैं फिर आपका चाहे कोई भी विषय हो सकता है। विषय की बाधयता नहीं है यहां पर।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप बैठिये आराम से।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप बैठ जाईये, आपसे विनती है। आप बैठ जाईये। अगर वास्तव में आप अपने विषय को सदन के समक्ष रखना चाहते हैं तो आप को शांतिपूर्वक माहौल बनाना पड़ेगा। सदन को चलाने में सहयोग करना पड़ेगा। आतिशी जी। अपनी बात रखिये।

श्रीमती आतिशीः माननीय अध्यक्ष महोदया।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बैठिये आप, आतिशी जी, आप बोलना शुरू करिये।

श्रीमती आतिशीः माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे इस विश्वास प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया, उसके लिये आपका बहुत बहुत धन्यवाद। मुझे माननीय अध्यक्ष महोदया,

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः तो तभी निवेदन कर रही हूं बैठिये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः लेकिन आप कहां सम्मान कर रहे हैं सुबह से मैं कम से कम 50 बार बोल चुकी हूं। कम से कम 50 बार।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मैंने क्या बोला? मैंने क्या बोला, मैंने क्या बोला है?

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप 10 मिनट बैठ जाईये। मेरी आपसे विनती है आप मेरी बात मानेंगे, आप मेरी बात मानेंगे। तो बैठिये प्लीज। बैठ जाईये, खत्म हो जाती है बात। बात खत्म हो जाती है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप बैठ जाईये। आप बैठ जाईये।

श्री मोहन सिहं बिष्टः ये लोकहित के विषय पर चर्चा क्यूं नहीं कराना चाहते?

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप बैठिए, करायेंगे चर्चा आपके विषय पर। आपके विषय को मना नहीं किया है। आपके विषय को मना नहीं किया है। बैठिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप व्यवस्था खराब कर रहे हैं। बैठिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मोहन सिंह बिष्ट जी, बैठ जाइये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मेरी आपसे विनती है, बैठ जाइये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ओ.पी. शर्मा जी, बैठ जाइये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बैठ जाइये आप।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: आप बैठ जाइये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: ओ.पी. शर्मा जी और मोहन सिंह बिष्ट जी बैठ जाइये, मेरा निवेदन है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: मेरा निवेदन है बैठ जाइये ओ.पी. शर्मा जी। बोलिए मैडम।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: बोलिए आप।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशी: माननीय अध्यक्ष महोदया...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: अगर आप 2 मिनट और नहीं बैठें, मुझे मजबूरन बाहर करना पड़ेगा।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशी: आज भारतीय जनता पार्टी ने...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: मुझे मजबूरन बाहर करना पड़ेगा। आप बैठ जाइये।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशीः और इनके विधायकों ने...

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशीः अपना महिला विरोधी जो इनका नेचर है वो दिखा दिया है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मैं आपको बोलने का मौका दूंगी।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशीः एक महिला बोलने की कोशिश कर रही है, एक महिला अध्यक्ष हैं यहां पर और आप न तो उनकी बात सुन रहे हैं, न मुझे बोलने दे रहे हैं। महिला विरोधी पार्टी है ये।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशीः एक महिला अध्यक्ष हैं, एक महिला बोलने की कोशिश कर रही है, ऐसी महिला विरोधी पार्टी है ये।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशीः ये जो महिला विरोधी पार्टी है...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बैठिए। लाकड़ा जी, बैठिए। यादव जी, बैठिए।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशी: ऐसी महिला विरोधी पार्टी, जो एक महिला विधायक को बोलने नहीं देती, एक...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: अजय महावर जी...

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशी: एक महिला विरोधी पार्टी...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: अजय महावर जी, अभय वर्मा जी...

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशी: जो एक महिला अध्यक्ष को बात नहीं करने दे रहे,

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: अजय महावर जी, अभय वर्मा जी को पूरा दिन के लिए बाहर करें।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशी: शर्म आनी चाहिए भारतीय जनता पार्टी को। शर्म आनी चाहिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः पूरा दिन के लिए बाहर।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अजय महावर जी, को बाहर किया जाए। अजय महावर जी बाहर जाए। बाहर चलिए।

(अध्यक्ष महोदया के आदेशानुसार मार्शल्स द्वारा श्री अजय कुमार महावर व श्री अभय वर्मा को बाहर ले जाया गया।)

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ओ.पी. शर्मा जी, आप बैठ जाए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मतलब आप भी बाहर जायेंगे।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बोलने दूंगी, बैठिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मैं बिल्कुल इस बात को बार-बार कह रही हूं।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशीः देखिए, ओ.पी.शर्मा जी तो सदन से...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ओ.पी.शर्मा जी को भी बाहर ले जाइये।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशीः सदन से सस्पेंड हुए थे अपने महिला विरोधी बयानों के लिए। ओ.पी. शर्मा जी आपका इतिहास सबको पता है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप ऐसे कैसे बोलोगे...

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशीः इसी सदन में महिला विरोधी बयान दिए थे आपने ओ.पी. शर्मा जी।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः चलिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सारे सत्ता पक्ष के साथी बैठें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आतिशी जी, अपने वक्तव्य को शुरू करें। आतिशी जी.

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप सदन नहीं चलने दे रहे हैं। आप सदन नहीं चलने दे रहे हैं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप सदन नहीं चलने दे रहे हैं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप बैठिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बैठिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आपको भी।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप बोलने ही नहीं दे रहे हैं।

(अध्यक्ष महोदया के आदेशानुसार मार्शल्स द्वारा श्री मोहन सिंह बिष्ट एवं श्री जितेंद्र महाजन को सदन से बाहर ले जाया गया।)

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये बेहद दुखद और शर्मनाक बात है। इतने महत्वपूर्ण विषय पर भी पिछले 4 दिन से विपक्ष के साथी सदन चलाने में बिल्कुल भी सहयोग नहीं कर रहे हैं। ये सदन के लिए सबसे शर्मनाक बात है, बहुत शर्मिंदगी भरा माहौल है। और अब मैं सत्ता पक्ष के साथियों से भी निवदेन कर रही हूं, आतिशी जी बोल रही हैं, उनकी बात को धयानपूर्वक सुनें।

...व्यवधान...

श्री अनिल कुमार बाजपेयी: सदन की कार्यवाही में विपक्ष का भी कोई रोल है?

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: बिल्कुल है।

...व्यवधान...

श्री अनिल कुमार बाजपेयी: आप बोलने का मौका नहीं दे रहीं...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: बैठिए, मैं आपको मौका दूंगी।

...व्यवधान...

श्री अनिल कुमार बाजपेयी: गलत बात है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: बैठिए, आपको...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: बाजपेयी जी, पहले बात को सुनिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: बोलिए।

...व्यवधान...

श्री अनिल कुमार बाजपेयी: ये लोकतंत्र के मूल्यों के खिलाफ़ है ये।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशी: माननीय अध्यक्ष महोदया, इस सदन में विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशी: इससे गम्भीर मुद्दा किसी विधान सभा में नहीं हो सकता और ये बहुत दुख की बात है...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: आप बीच में मत बोलिए, उन्हें बोलने दीजिए।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशी: ये दुख बात है कि भारतीय जनता पार्टी...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: इन्हें भी ले जाइये।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशी: जो खुद...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः चलिए।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशीः जिनके माननीय प्रधानमंत्री जी, लाल किले पर खड़ा होकर बोलते हैं...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः हां, मैंने बोल दिया है, आप जाइये।

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशीः कि हमें गर्व हैं...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप जाइये।

(अध्यक्ष महोदया के आदेशानुसार मार्शल्स द्वारा श्री अनिल कुमार बाजपेयी को सदन से बाहर ले जाया गया।)

...व्यवधान...

(श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी, माननीय-नेता, प्रतिपक्ष भी अपने साथियों के साथ सदन से वॉकआउट कर गए।)

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशीः कि भारत 75 साल से लोकतंत्र है। वो भारतीय जनता पार्टी सदन को नहीं चलने दे रही है, ये बहुत दुख की बात है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बोलते रहिए। आतिशी जी, आप बोलते रहिए।...

...व्यवधान...

श्रीमती आतिशीः ये पहला मौका नहीं है जहां पर देश के लोकतंत्र को भारतीय जनता पार्टी खत्म करने की कोशिश कर रही है, बर्बाद करने की कोशिश कर रही है। आज यहां पर विश्वास प्रस्ताव पर क्यूं चर्चा हो रही है, इसलिए चर्चा हो रही है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने अपने 'ऑपरेशन लोटस' के तहत दिल्ली की सरकार को गिराने की कोशिश की। दिल्ली की चुनी हुई सरकार को गिराने की कोशिश करी। इनका 'ऑपरेशन लोटस' 3 स्टेप में चलता है। पहला स्टेप, स्टेप-1 'ऑपरेशन लोटस' का, केंद्र सरकार की एजेंसियों को प्रयोग करते हैं, सी.बी.आई. को, ई.डी. को, पुलिस को, इन्कम टैक्स डिपार्टमेंट को और जिन-जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं होती है, वहां के नेताओं को, वहां के मंत्रियों को, वहां के विधायकों को डराने धमकाने की कोशिश करते हैं, अपनी केंद्र की एजेंसियों के माधयम से। 'ऑपरेशन लोटस' का दूसरा स्टेप क्या होता है, 'ऑपरेशन लोटस' का दूसरा स्टेप ये होता है कि उन विधायकों को जाकर कहा जाता है कि तुम हमारे साथ आ जाओ तो तुम्हारे सारे केस बंद कर दिए जाएंगे, खत्म कर दिए जाएंगे। तो पहले डराने और धमकाने के बाद ऑपरेशन लोटस के तीसरे स्टैप में उन्हें लुभाने की कोशिश की जाती है और हमने भी देखा कि किस तरह से दिल्ली विधानसभा में यहां की चुनी हुई सरकार के हमारे कई विधायक साथी जो बैठे हैं उनको भारतीय जनता पार्टी ने अप्रोच किया और बीस करोड़ रूपये तक का ऑफर किया कि आम आदमी

पार्टी को छोड़ दो अरविंद केजरीवाल को छोड़ दो तो बीस करोड़ रूपये तुम्हें देंगे और विधायको को साथ लेकर आए तो 25 करोड़ रूपये देंगे। क्या ये हमारे देश का लोकतंत्र है जिसकी प्रधानमंत्री जी लालकिले से बात करते हैं और ये कोई पहली सरकार नहीं है जो भारतीय जनता पार्टी गिराने की कोशिश कर रही है। ऑपरेशन लोटस का देशभर में इतिहास है अध्यक्ष महोदया, चाहे मणिपुर हो, चाहे मेघालय हो, चाहे अरूणाचल प्रदेश हो, चाहे गोवा हो, चाहे महाराष्ट्रा हो, चाहे कर्नाटका हो, चाहे मध्यप्रदेश हो, इन सब राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने ऑपरेशन लोटस के माधयम से सरकारें गिराई हैं। मेघालय में चालीस सदस्यों की विधानसभा है वहां पर भारतीय जनता पार्टी के दो विधायक जीत कर आए। चालीस में से दो विधायक जीतने के बावजूद इन्होंने पैसे के ऑफर देकर और पार्टियों के विधायकों को डरा धमकाकर मेघालय में सरकार बनाई। चालीस में से दो विधायक थे इनके पास। पूरे देश भर में भारतीय जनता पार्टी ने विधायक खरीदे हैं। असम में दस विधायकों को एक पार्टी से भारतीय जनता पार्टी में लिया गया। उत्तराखंड में दस विधायकों को, अरूणाचल प्रदेश में तैंतीस विधायकों को, उत्तरप्रदेश में तीन विधायकों को खरीदा गया। मणिपुर में दस विध ायकों को खरीदा गया। गोवा में ग्यारह विधायकों को खरीदा गया, बिहार में इक्कहतर विधायकों को, कर्नाटका में सत्रह विधायकों को, मध्यप्रदेश में बाईस विधायकों को, बंगाल में एक विधायक को। अगर हम इन सब का टोटल करें तो भारतीय जनता पार्टी पूरे देशभर में ऑपरेशन लोटस के तहत 277 विधायक आज तक खरीद चुकी हैं। दिल्ली में भी इन्होंने चालीस विधायकों को खरीदने का प्लान बनाया। हमारे विधायकों को बीस बीस करोड़ रूपये का ऑफर किया। अगर इस हम बीस करोड़ के हिसाब से कैलकुलेशन करते हैं जो 277 विधायक

इन्होंने खरीद लिए और जो दिल्ली के चालीस विधायक खरीदने का प्लान बनाया तो कुल मिला के भारतीय जनता पार्टी ने अपने ऑपरेशन लोटस के तहत छह हजार तीन सौ करोड़ रूपया खर्च कर दिया। आज हम भारतीय जनता पार्टी से ये पूछना चाहते हैं कि ये छह हजार तीन सौ करोड़ रूपया कहां से आया ये देश की जनता का पैसा था जो भारतीय जनता पार्टी विधायकों को खरीदने और बेचने में लगा रही है। आज हम देख रहे हैं कि पूरी दुनिया में पैट्रोल और डीजल का दाम कम हो रहा है लेकिन सिर्फ भारत एक इकलौता ऐसा देश है जिसमें पूरी दुनिया में जब दाम कम हो रहा है पैट्रोल और डीजल का दाम बढ़ता जा रहा है क्यों? क्योंकि जो पैट्रोल और डीजल के बढ़ते हुए दामों से पैसा आ रहा है वो भारतीय जनता पार्टी ऑपरेशन लोटस में लगा रही है, देशभर के विधायकों को खरीदने में लगा रही है। आज हम ये मांग कर रहे हैं, हम इस देश की जांच एजेंसियों से मांग कर रहे हैं और आज इस विध ानसभा के कुछ विधायकों ने सीबीआई की डायरेक्टर से समय भी मांगा है कि इस ऑपरेशन लोटस में जो छह हजार तीन सौ करोड़ रूपये का घोटाला है इसकी एक देशव्यापी जांच होनी चाहिए कि कर्नाटका में भारतीय जनता पार्टी की सरकार कैसे बनी, मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार कैसे बनी, कर्नाटका में भारतीय जनता पार्टी की सरकार कैसे बनी, मेघालय में भारतीय जनता पार्टी की सरकार कैसे बनी, मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी की सरकार कैसे बनी, अरूणाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार कैसे बनी, गोवा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार कैसे बनी। जब इन सब राज्यों में भारतीय जनता पार्टी चुनाव हार गई थी तो आज देश के सामने ये महत्वपूर्ण मुद्दा है कि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रही है, लोकतंत्र

को बर्बाद करने की कोशिश कर रही है और ऑपरेशन लोटस के माधयम से देशभर में विधायकों को खरीदने की कोशिश कर रही है। धन्यवाद अध्यक्षा महोदय।

माननीया अध्यक्षः दुर्गेश पाठक जी।

श्री दुर्गेश पाठकः बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, मुझे लगता है कि दुनिया में सबसे ज्यादा कन्फ्यूज कोई पार्टी होगी तो भारतीय जनता पार्टी होगी। अब ऊपर से इन्होंने तय कर लिया कि भई केजरीवाल को खत्म करना है तो बीस दिन पहले आए बोले जी अब शराब घोटाला इनके ऊपर चिपकाना है। शराब में घोटाला हो गया। सीबीआई जांच कर ली, अब हम भी ठहरे कट्टर ईमानदार लोग, इनको क्या पता था ये पंद्रह दिन बाद पूछने लग जाएंगे क्या मिला, क्या मिला, क्या मिला, क्या मिला। मामला इनका टांय टांय फिस्स हो गया शराब वाला। फिर इन्होंने कहा जी स्कूल का घोटाला कर लिया। स्कूल में इन्होंने पहले तो उस दिन कह रहे थे जी मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल झूठ बोल रहे हैं, कोई स्कूल नहीं बना, फिर ऊपर से तय किया गया कि नहीं बना है कुछ तो फिर आ के बोलने लगे बना तो है लेकिन कहा था इन्होंने कि चार हजार बनाएंगे बना दिया सात हजार। हम कह रहे हैं हमने सात हजार भी नहीं हमने पच्चीस हजार से ज्यादा कमरे बना दिए। इन्होंने कहा जी स्कूल तो इन्होंने मैनिफैस्टो में कहा था सिर्फ सौ बनाएंगे लेकिन बना दिए चार सौ। हमने कहा जी हमने चार सौ भी नहीं बनाए हमने साढे सात सौ से ज्यादा स्कूल बना दिए तो इसमें भी ये फंस गए। अब मैं देख रहा था कि इनके जो प्रवक्ता हैं वो डिबेट पर जाकर टॉयलेट्स की फोटो दिखा

रहे हैं, कह रहे हैं जी ये तो अमेरिका के एयरपोर्ट पर इतने शानदार शानदार टॉयलेट्स बनते हैं।

यहां बनाने की क्या जरूरत थी। बोले दिल्ली में चलता नहीं है, स्कूलों के अंदर तो बिल्कुल ही नहीं चलता। गरीब के बच्चे आते हैं स्कूलों के अंदर पढ़ने के लिए। इतने अच्छे रूम्स बनाने की जरूरत ही नहीं थी। ये इनकी मानसिकता है। तो ये स्कूल वाला भी फेल हो गया। लेकिन आज मुझे बड़ी खुशी हुई। पहली बार इनके प्रवक्ताओं को सद्बुद्धि आई है। आज इनकी मैं प्रेस कॉन्फ्रैंस सुन रहा था तो ये आए और इन्होंने कहा कि जी आम आदमी पार्टी आरोप लगा रही है कि हमने उनके विधायकों को खरीदने की कोशिश की, इसकी जांच होनी चाहिए। पहली बार मुझे लगता है ये हमारी जांच वाले के साथ में आ गए होंगे। तो हम तो पूरी तरह से इसका समर्थन करते हैं और पूरी तरह से स्वागत करते हैं। पहली बार इस देश के अंदर एक जांच होगी कि विधायक कैसे खरीदे जाते हैं और किस तरह से जब सरकार नहीं बनती तो सरकार कैसे बनाए जाते हैं। अब मेरी एक विनती है भाजपाईयों से इस वाले पर थोड़े टिके रहना कुछ दिन। इसकी सही से करवा लो जांच। मतलब ये नहीं कि शाम तक पता चला उल्टा पड़ गया। फिर कल सुबह कुछ और लेकर आ जाओ ट्रांसपोर्ट आ गया। कैलाश गहलोत जी को ढूंढना शुरू कर दें। फिर आ गया जी वो पेंशन सही से ना बटी। फिर गौतम जी को ढूंढना शुरू कर दें। फिर बोले जी वो पराली नहीं जली तो गोपाल जी को ढूंढना शुरू कर दें। बस मेरा एक सुझाव है, मेरी एक विनती है इस वाले पर थोड़े टिके रहना। दस-पन्द्रह दिन इसकी अच्छे से ना जांच हो जाने दो। अब जो भी एजेंसी है तुम्हारे पास सीबीआई है, ईडी है फलां है, ढिमाक है, जो भी है। लगा जो

सारे इस पर जांच करवा लो। मैं तो जी संगठन का काम देखता था। मैं तो गोवा में बाकी तो मैने अखबारों से सुना पेपरों से सुना, इलैक्ट्रोनिक मीडिया के माधयम से सुना कि विधायक खरीदे गए, विधायक बेचे, विधायक आए। मैने तो गोवा के अंदर काम किया जी। गोवा के अंदर 2017 में चुनाव हुआ। कांग्रेस पार्टी सबसे लार्जेस्ट पार्टी बन कर आई। मेरा ख्याल है उनको एक या दो एमएलए की जरूरत थी, बीस की जरूरत होती, 20, 21 की उनके पास 17, 18 वो जीत कर आए। दो तीन इन्डीपेंडेंट आए। इन्डीपेंडेंट ने भी कह दिया जी हम कांग्रेस को स्पोर्ट करेंगे और सरकार मतलब किसी को पता ही नहीं था कि सरकार तो कांग्रेस की बन ही सकती थी, क्योंकि सारे विधायक सब कुछ रेडी। इनके आए बारह। फिर पता चला तीन दिन बाद इनकी सरकार बन गई। इनके विधायक, इनके मंत्री शपथ ले रहे है, इनके मुख्य मंत्री शपथ ले रहे हैं। मैं तो एक साल घूमा वहां पर खूब बात की। जो विधायक बिके उनसे भी बात की। जिनको अप्रोच किय गया उनसे भी बातचीत की। फिर चला ये आपरेशन लोटस क्या है। इस लोकतंत्र के लिए हमारे देश को आजादी ऐसे नहीं मिली। डेढ़ सौ साल का एक पूरा संघर्ष रहा। 1857 में पहली बार आजादी की लड़ाई लड़ी गई और 1947 में पहली बार आजादी मिली। ना जाने कितने लोग शहीद हुए, कितने लोग जेलों के अंदर गए, कितने लोग फांसी चढ़ गए तब जाकर ये देश आजाद हुआ है। मतलब क्या था कि जनता अपने प्रतिनिधि चुनेगी और वो प्रतिनिधि जनता के लिए काम करेंगे। जनता के लिए लॉयल होंगे। लेकिन थोड़ा उल्टा हो गया मामला। भारतीय जनता पार्टी ने 2014 में इनकी सरकार बनी मई में, पांच छः महीने इन्होंने लगाए सिस्टम, विस्टम सेट करने में, पैसा वैसा इधर–उधर लाने में, महंगाई बढ़ाने में। जब इनके पास पैसे इकट्ठे होने

स्टार्ट हो गए फिर इन्होंने शुरू किया इनका जो पूरे देश के अंदर कोई भी ऐसी सरकार नहीं होनी चाहिए जो कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ना बने। सबसे पहले इन्होंने अटैक किया असम के अंदर। असम के अंदर दस विधायक तोड़े और सिर्फ विधायक ही नहीं तोडा, उनका मुख्यमंत्री का कैन्डीडेट भी तोड़ ले गए और सबसे खराब बात, सबसे बेशर्मी की बात कि भारतीय जनता पार्टी के पास पहले ही बड़े सारे नेता थे। लेकिन जिस मुख्यमंत्री कैन्डीडेट को तोड़ा उसी को ही मुख्यमंत्री कैन्डीडेट भी बना दिया और आज वो मुख्यमंत्री भी है। इसमें भी ऐसे हुआ नहीं होगा जैसे हम। हम तो अपने जो ये बारह लोगों को 20-20, 25-25 करोड़ के ऑफर मिले उसके आधार पर कह रहे हैं। सस्ते में तो डील हुई नहीं होगी कुछ तो लगा ही होगा। कुछ तो माल पहुंचा ही होगा। उत्तराखंड में इन्होंने तोड़ लिये दस। अरूणाचल प्रदेश में इनकी सरकार ही नहीं थी। मतलब आप सोचो 60 सीटें होती है उसमें 46 कांग्रेस पार्टी के पास थी और उसमें से 33 तोड लिया इन्होंने। जहां पर जनता ने मैन्डेट दिया कि कांग्रेस सरकार चलाए, वहां पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार चल रही है ये तो बड़ा शानदार है यार, ये है आपरेशन लोटस। उत्तर प्रदेश में तीन तोड लिये इन्होंने। मणीपुर में कहीं दूर-दूर तक इनकी सरकार का कोई नामोनिशान नहीं था। दस तोड़ लिये सरकार बन गई। गोवा का एग्जाम्पल मैंने आपको बताया ही। बिहार के अंदर 71 तोड़े सरकार बनी। थोड़ा सा इस बार इनका दाव गडबड हो गया, सरकार इनकी गिर गई। इसी तरह से गुजरात में इन्होंने तीन कांग्रेस के एमएलए तोड़ लिये। वेस्ट बंगाल में कोशिश कर रह है, एक दो वहां भी हाथ मार लिया इन्होंने। ज्यादा नहीं मार पा रहे वहां पर लेकिन एक दो मार लिया वहां पर भी हाथ। कर्नाटका में कांग्रेस पार्टी की सरकार चल रही थी,

सिद्धारमैया जी की सरकार चल रही थी और मुझे लगता है कि देश में पहली बार ऐसा होगा कि जब एक ऑडियो चल रहा है। इनके जो मुख्यमंत्री थे जिनको अभी बदला गया है क्या नाम था उनका येद्दुरप्पा जी, येद्दुरप्पा जी की आवाज है, ऐसा नहीं है कि मेरी आवाज है, येद्दुरप्पा जी की आवाज उस रिकार्डिंग में है एक एमएलए को कह रहे हैं तू आजा, तेरा ख्याल भी रखेंगे। देखो मंत्री भी बनाऐंगे, देखा और भी सारी चीजें देंगे। ये है आपरेशन लोटस। 17 वहां तोड़ लिये और अब क्या है सरकार चल रही थी कांग्रेस की मुख्यमंत्री बीजेपी का खूब रहा है वहां पर। मध्यप्रदेश में 22 तोड लिये। सरकार ऐसा लग रहा था कि कमलनाथ जी चला लेंगे। कमलनाथ जी चलाने भी लग गए, अचानक एक रात में खेल हो गया। रिजोर्ट बुक किया इधर-उधर। सारा खेल हो गया मामला गड़बड़, सरकार बीजेपी की। वेस्ट बंगाल में जैसा मैने बताया कोशिश की और सबसे लेटैस्ट एग्जाम्पल है महाराष्ट्र का जो आप लोगों ने देखा।

वहां तो सिर्फ एमएलए ही नहीं तोड़े बिलकुल पार्टी लेकर ही चल लिए। 39 से ज्यादा एमएलए तोड़ लिये और सरकार इनकी बन गई ये बड़ा खतरनाक है। हम सारे यहां पर एमएलए हैं बड़े साधारण परिवारों से आते हैं। दिल्ली वाले तो टिके रहे लेकिन ये देश के लिए बड़ा खतरनाक है कि जहां आपकी सरकार न बने वहां आप डराने धमकाने लग जाओ। मनीष जी के ऊपर केस कर दिया बोले आपने बड़ा शराब घोटाला किया हमने पूछा क्या किया तो बता ही नहीं पा रहे हैं इसमें अभी ये रिसर्च वाली टीम हमारी ये लिख रहे हैं कि इन्होंने 2017 में एक सपा का प्रवक्ता भी तोड़ लिया गौरव भाटिया को उसको तो मुझे लगता है फ्री में ही ले लिया होगा इन्होंने उसको तो पैसे नहीं दिये होंगे सहमत तो सारे ही लग रहे हैं।

माननीया अध्यक्षः कंप्लीट कीजिए।

श्री दुर्गेश पाठकः अच्छा सीडी थी गुप्ता जी के पास कफी सीडीयां रहती हैं।

माननीया अध्यक्षः विषय को कंप्लीट कीजिए।

श्री दुर्गेश पाठकः मेरा बस यही कहना है कि भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी नेक मांग उठाई है और हम इसके साथ पूरी तरह से सहमत हैं जांच होनी चाहिए इंडिपेंडेंट जांच होनी चाहिए। अगर इनका सीबीआई में भरोसा है तो सीबीआई से ही जांच करा लें पूरे देश के अंदर लगभग 277 विधायकों को खरीदा गया है अगर 20 करोड़ का ऐवरेज लगाएं तो लगभग-लगभग 6300 करोड़ रुपये का ये घोटाला है ये जांच होनी चाहिए किस-किस विधायक को पैसे दिये गये ये जांच होनी चाहिए ये 6300 करोड़ रुपये कहां से आये इसकी जांच होनी चाहिए हम इस पूरी जांच का समर्थन करते हैं और हम पूरी तरह से तैयार हैं। जैसे हमने शराब घोटाले में सहयोग किया जैसे हमने एजुकेशन पर इनके आरोप लगे उस पर हम सहयोग कर रहे हैं इसी तरह से हम पूरी तरह से इस ऑपरेशन लोटस का भी समर्थन करते हैं सहयोग करेंगे इसकी पूरी जांच में बहुत-बहुत धन्यवाद बहुत-बहुत आभार।

माननीया अध्यक्षः कुलदीप कुमार जी।

श्री कुलदीप कुमारः धन्यवाद अध्यक्षा जी, बड़े महत्वपूर्ण विषय पर आज आपने मुझे बोलने का मौका दिया है और यह एक ऐसा विषय है कि जिसकी वजह से आज हम सब लोग इस लोकतंत्र के अंदर यहां खड़े हुए हैं। अभी आतिशी जी ने और दुर्गेश जी ने अपना वक्तव्य यहां रखा और पूरे देशभर में

जब पूरा देश आज आजादी का 75वां अमृत महोत्सव मना रहा है उस समय पर किस प्रकार से पूरे देशभर में इस लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश भारतीय जनता पार्टी के द्वारा रची जा रही है और किस प्रकार का खेल आज इस सरकार के द्वारा किया जा रहा है। मुझे एक बात याद आती है बाबा साहब अंबेडकर की, बाबा साहब अंबेडकर ने कहा था कि हमारे देश के संविधान में मतदान का अधिकार एक ऐसी ताकत है जो किसी ब्रह्मास्त्र से कहीं अधिक ताकत रखता है। ये जो वोट का अधिकार है ये वो वोट का अधिकार है जो हर नागरिक को हर देश का चाहे गरीब हो, चाहे अमीर हो, चाहे पिछड़ा हो, दलित हो, महिलाएं हों किसी भी जाति किसी भी संप्रदाय का कोई भी व्यक्ति हो उसे वोट का अधिकार अपनी सरकार चुनने की ताकत देता है और उस लोकतंत्र के अंदर जब हम सरकार चुनते हैं तो वो सरकार हम अपना विधायक चुनते हैं, हम अपना सांसद चुनते हैं और विधायक और सांसद चुनकर मुख्यमत्री और प्रधानमंत्री का स्वरूप मिलता है जैसे आज हम विधानसभा के अंदर बैठे हुए हैं। लेकिन आज नरेन्द्र मोदी जी और अमित शाह जी जिनको इस बात की फिक्र होनी चाहिए थी की देश की जीडीपी कितने नीचे जा रही है, बेरोजगारी की दर कहां से कहां पहुंच गई है। आज लोग दो वक्त की रोटी जुटाने में भी उनको कठिन परिश्रम करना पड़ा रहा है लेकिन आज वो दो वक्त की रोटी भी नहीं जुटा पा रहे हैं। इस सरकार को इस बात की चिंता करनी चाहिए थी। इस सरकार को इस बात की चिंता करनी चाहिए थी। इस सरकार ने कहा था नरेन्द्र मोदी जी ने की मैं हर साल युवाओं को 2 करोड़ रोजगार दूंगा और 8 साल इस सरकार को हो गये। इस सरकार को 2 करोड़ रोजगार के हिसाब से 8 साल में 16 करोड़ रोजगार देने थे लेकिन जब पार्लियामेंट के अंदर इनकी

रिपोर्ट पेश होती है तो मात्र 7 लाख लोगों को रोजगार दिया गया 22 करोड़ लोगों ने नौजवान युवाओं ने आवेदन किया। इस सरकार को चिंता इस बात की होनी चाहिए थी की कैसे गरीब के घर के अंदर चूल्हा जल पाए कैसे उसे दो वक्त की रोटी मिल पाए इस बात की चिंता इस सरकार की होनी चाहिए थी। कैसे बच्चों के लिए सरकार स्कूल अच्छे बनाये जा सकें इस बात की चिंता इस सरकार को होनी चाहिए थी लेकिन बड़े दुखी मन के साथ मुझे कहना पड़ रहा है कि आज ये रंगा-बिल्ला की जोड़ी आज ये नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ये बैठकर केवल यह प्लान करते हैं कि किस राज्य के अंदर भाजपा की सरकार नहीं है। कौन-से राज्य ने भारतीय जनता पार्टी के लोगों की जमानत जप्त कराके भेजी ये आज ये विचार करते हैं कि कैसे इस लोकतंत्र में उन लोगों को जिनको जनता ने वोट के अधिकार से विधायक चुनने का मौका दिया, सांसद चुनने का मौका दिया कैसे उन विधायकों और सांसदों को अपनी ईडी तोता-मैना के माधयम से किस प्रकार से उनको खरीदा जा सके। आज ये प्लानिंग चलती है जो इस देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। इस लोकतंत्र के लिए मैं कह सकता हूं कि लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। इस देश के बाबा साहब अंबेडकर के द्वारा बनाये गये भारत के संविधान की हत्या की जा रही है। बाबा साहब अंबेडकर ने इस संविधान की व्यवस्था दी थी कि इस देश में चुनाव होगा। जनता अपने मत से अपना विधायक चुनेगी सांसद चुनेगी लेकिन आज कैसे मणिपुर के अंदर रातों-रात सरकार बन जाती है। कैसे महाराष्ट्र के अंदर अध्यक्षा जी जब मैं विधायक नहीं था। हम बहुत मध्यम परिवार से आते हैं बहुत मामूली परिवार से आते हैं हमें लगता था कैसे ये खरीदते होंगे आखिर क्या प्रोसेस होता होगा। हमें लगता वो दो चार लोग मिल जाते होंगे

लेकिन महाराष्ट्र से देखने को आया अध्यक्ष जी की रंगा-बिल्ला की जोड़ी ने पूरे 40 के आसपास खरीद मारे 40 के आसपास और आज वहां सरकार भाजपा के साथ चल रही है और मैं तो भुक्तभोगी हूं कहते हैं न मैं तो भुक्तभोगी हूं। भाजपा के लोग किस प्रकार से आदमी को प्रेसराइज करते हैं कहते हैं मुझे कहा गया की आप तो विधायक हो मैंने कहा हां बिलकुल हैं तो कहते हैं तुम्हारी दिल्ली में सरकार तो नहीं रहने वाली, मैंने कहा क्यों 25 में चुनाव हैं तुम जीत जाओगे कह रहे हैं नहीं-नहीं हम जीतेंगे नहीं हमें जीतना नहीं है हम तो खरीदेंगे, मैंने कहा मतलब, कह रहे हैं दिल्ली की सरकार हम गिराकर रहेंगे। कैसे गिराएंगे, एक-एक एमएलए को खरीदेंगे आपको आना है तो बताओ। मैंने कहा हम तो ईमानदार लोग हैं कह रहे हैं 20 करोड़ रुपये देंगे आपको। अगर आप भारतीय जनता पार्टी के साथ आते हो किसी और साथी को लाते हो तो 25 करोड़ देंगे। मैंने कहा अच्छा, तो कहते हैं देखो, मैंने कहा अगर मैं नहीं आऊँ तो, तो कहते हैं कि अगर नहीं आओगे तो आपने देखा है अपने उप-मुख्यमंत्री का हाल मनीष सिसोदिया जी का मैंने कहा वो तो यार बड़े ईमानदार आदमी हैं, कह रहे हैं यार वो तो मुझे भी पता है। कहते हैं वो तो हमें भी पता है लेकिन क्या करें जो ऊपर रंगा-बिल्ला की जोड़ी बैठी हुई है वो ऐसे मानेगी नहीं, उसने ऐसा नहीं कहा ऐसे तो मैं कह रहा हूं। उसने कहा था जो ऊपर लोग बैठे हुये हैं चाणक्य हैं, उसने तो ऐसे कहा था, ये तो मैं कह रहा हूं रंगा-बिल्ला। तो उसने कहा जो बैठे हुये लोग हैं वो चाणक्य हैं, वो ईडी के माधयम से सीबीआई के माधयम से आप लोगों को फंसा लेंगे, मैंने कहा हम तो हमारे पास तो कुछ है नहीं हमें क्या फसायेंगें, कह रहे हैं उप-मुख्यमंत्री को फंसाया है ना, मैंने कहा दूध का दूध पानी का पानी हो जायेगा जांच में

तो कह रहे जब तक तो जेल में रहोगे, मैंने कहा यार चलो देखते हैं हमने उनको साफ़ मना कर दिया। हमने कहा कि हम कट्टर ईमानदार लोग हैं आम आदमी पार्टी के लोग हैं हमारा कोई राजनीतिक बैकग्राउंड नहीं है, हमारे घर में कोई हमारे बाप–दादा विधायक नहीं थे, कोई सांसद नहीं थे हम बहुत मध्यम परिवार से आते हैं और आम आदमी पार्टी को देश के लोगों ने एक उम्मीद के साथ खड़ा किया था। अरविंद केजरीवाल जी ने एक उम्मीद के साथ हमें यहां भेजा है और हम अरविंद केजरीवाल जी की उस उम्मीद को टूटने नहीं देंगे। हम अरविंद केजरीवाल जी के साथ गद्दारी नहीं करेंगे और अरविंद केजरीवाल जी के साथ गद्दारी करना तो इस देश के साथ गद्दारी करने के समान है तो हम कभी वो गद्दारी नहीं करेंगे लेकिन अध्यक्षा जी, जिस प्रकार से आज इस लोकतंत्र को सही मायने में ये जोड़ी आज तोड़ने का काम कर रही है देश के लिये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और मैं तो कहता हूं कि आप जांच कराओ, आप इस बात की जांच कराओ की 277 एमएलए को तोड़कर जो आपने देशभर में सरकार बनाई वो पैसा किसका था उसका पता लगना चाहिये वो पैसा कहां से आया था 63 सौ करोड़ रुपये जो आपने ऑपरेशन लोटस जिसको दिल्ली की जनता ने फेल किया, दिल्ली के विधायकों ने फेल किया, मनीष सिसोदिया जी ने फेल किया ये देश के आज से पचास सौ साल बाद जब इतिहास पढ़ा जायेगा तो इतिहास के अंदर ये दर्ज होगा कि जिस समय पर ऑपरेशन लोटस के अंदर भाजपा पूरे देशभर में विधायक खरीद रही थी उस समय पर आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल जी और दिल्ली के विधायकों ने बिकने से इन्कार किया और ईमानदारी और सच्चाई के साथ खड़े हैं डटे रहे ये इतिहास में लिखा जायेगा, ये इतिहास में दर्ज होगा और

इस बात की जांच में मैं समर्थन करता हूं कि इस बात की सीबीआई से जांच होनी चाहिये कि वो पैसा किन-किन लोगों का था जिनसे दिल्ली के विधायकों को खरीदने के लिये जो 20-20 करोड़ रुपये के हिसाब से 40 विधायकों को तोड़कर सरकार बनाने की जो मंशा भारतीय जनता पार्टी की थी जो प्लानिंग भारतीय जनता पार्टी की थी वो पैसा किसका था इस बात की जांच होनी चाहिये वो 8 सौ करोड़ रुपया किसका था तो हम आज इसका समर्थन करते हैं और साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी के लोगों को कहते हैं कि एक नई राजनीति की शुरूआत इस देश में हो चुकी है और भारतीय जनता पार्टी के लोगो जो आज आप लोगों ने पैसे से और धन-बल के दम पर जो सत्ता तक पहुंचे हो ना ये ज्यादा दिन तक रूकेगी नहीं क्योंकि ईमानदार राजनीति आज खड़ी हो चुकी है जनता ये पहचानने लगी है कि किस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने डरा-धमका के हर राज्य के अंदर सरकार बनाने का काम किया बहुत-बहुत धन्यवाद आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया मैं दुर्गेश जी और आतिशी जी की बात से समर्थन करता हूं और इसकी सीबीआई से जांच होनी चाहिये बहुत-बहुत धन्यवाद, बहुत-बहुत आभार।

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य नारे लगाते हुये वैल में आ गये)

माननीया अध्यक्षः सभी साथी शांति बनाये रखें अपनी-अपनी सीट पर बैठें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये कोई तरीका नहीं है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ऋतुराज जी सीट पर चलें, रोहित जी रोहित जी अपनी सीट पर चलें, दिलीप पांडे जी सबको वैल से अपने स्थान पर भेजें दिलीप पांडे जी, दिलीप पांडे जी सबको अपनी-अपनी जगहों पर भेजें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सबको अपनी जगहों पर भेजने का काम करें। दिलीप पांडे जी सबको, आतिशी जी अपनी सीट पर बैठें, प्रमिला जी।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सब सदस्य अपनी-अपनी सीटों पर चलें। सब सदस्य अपनी-अपनी सीटों पर चलें। सब सदस्य, ये तरीका ठीक नहीं है, ये तरीका बिल्कुल भी ठीक नहीं है। दिलीप जी अनुशासन करवाईये, अनुशासन बनवाईये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः जरनैल जी अपनी जगह पर जायें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सदन की कार्यवाही वीरवार दिनांक 1 सितम्बर, 2022 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है।

(सदन की कार्यवाही वीरवार दिनांक 1 सितम्बर, 2022 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिये स्थगित की गई)

...समाप्त...

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।